पेज थ्री देहरादून

ऊषा ज्योति को मिला रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड।

देहरादून बुधवार 9 सितंबर 2020 पेज 8

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

विस अध्यक्ष ने जेपी नड्डा से की शिष्टाचार भेंट

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने अपने दिल्ली दौरे के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से शिष्टाचार भेंट की। विस अध्यक्ष ने उत्तराखंड विस सचिवालय द्वारा प्रकाशित ''भारत में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारी सम्मेलन 2019'' नाम की स्मारिका सहित प्रतीक चिन्ह राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेंट की। इस मुलाकात के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने स्मारिका के अध्ययन के बाद कहा कि स्मारिका की विषय वस्तु को देखने से ही गत वर्ष देहरादून में सम्पन्न हुए देशभर के पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के वृहद स्तर एवं आयोजन की उच्च कोटि की व्यवस्थाओं व प्रबंधन का अनुमान लगाया जा सकता है।

आर्सेनिक एल्ब 30 का किया गया निःशुल्क वितरण

संवाददाता देहरादून। नागरिक सुरक्षा संगठन देहरादून पोस्ट 10 उत्तरी प्रभाग ने पोस्ट के अंतर्गत आने वाले शक्ति कॉलोनी, न्यू कैट रोड क्षेत्र में शरीर की रोग प्रतिरोध क्षमता बढ़ाने के लिए आर्सेनिक एल्ब 30 का निःशुल्क वितरण किया। इस अवसर पर नागरिक सुरक्षा संगठन के उप मुख्य वार्डन उमेश्वर सिंह रावत ने कहा कि जिला होम्योपैथिक अधिकारी द्वारा दी गई दवा का लगातार वितरण किया जा रहा है और कोरोना वायरस कोविड 19 से बचाव के लिए घरों के गेट और दरवाजे को सैनेटाइज किया जा रहा है।

सीएम ने दर्जाधारी राज्यमंत्री ज्ञान सिंह नेगी के निधन पर शोक व्यक्त किया

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने वरिष्ठ भाजपा नेता एवं दर्जाधारी राज्यमंत्री ज्ञान सिंह नेगी के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार जनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

छह महीने के लिए बिजली और पानी के बिलों को माफ करने की मांग

संवाददातां देहरादून। समाजवादी पार्टी, कांग्रेस व वन अधिकार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एवं चेतना आंदोलन के प्रतिनिधियों की और से मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत को एक संयुक्त ज्ञापन भेजा गया है। संयुक्त ज्ञापन में लिखा गया है कि जबसे देश में लॉक डाउन घोषित हुआ था, राज्य के विपक्षी दल, जन संगठन और आम लोग मांग कर रहे हैं कि इस मुश्किल दौर में राज्य सरकार कम से कम छह महीने के लिए बिजली और पानी के बिलों को माफ करने की मांग की है, लेकिन सरकार ने कोई कदम नहीं उठाया है।

संस्कृत अकादमी का नाम 'उत्तरांचल संस्कृत संस्थानम्' होगा

बैठक

■ मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने की संस्कृत अकादमी उत्तराखण्ड की बैठक

■ भाषाओं की जननी संस्कृत को बढ़ावा देना बहुत जरूरी

■ बजट का सही प्रावधान हो जो भी कार्य हों सभी परिणाम पर आधारित हों

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में मंगलवार को संस्कृत अकादमी उत्तराखण्ड की बैठक हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि संस्कृत अकादमी का नाम 'उत्तरांचल संस्कृत संस्थानम् हरिद्वार, उत्तराखण्ड' होगा।

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि भाषाओं की जननी संस्कृत को बढ़ावा देना बहुत जरूरी, जिससे हमारी प्राचीन संस्कृति के संरक्षण के साथ ही संस्कृत भाषा के प्रति युवाओं का रूझान बढ़ सके। उन्होंने कहा कि पहले जनपद एवं उसके बाद ब्लॉक स्तर पर संस्कृत ग्राम बनाये जाय। युवाओं को संस्कृत की अच्छी जानकारी हो, समाज तक इसका व्यापक प्रभाव हो, इसके लिए संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के साथ ही शोध कार्य पर विशेष ध्यान दिया जाय।

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि संस्कृत भाषा, वेद, पुराणों एवं लिपियों पर शोध कार्य पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है, इसके लिए बजट का सही प्रावधान हो। जो भी कार्य हों सभी परिणाम पर आधारित हों।

डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जायेगी: बैठक में निर्णय लिया गया कि संस्कृत के क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वालों एवं पाण्डुलिपियों के संरक्षण के लिए बजट का प्राविधान किया जायेगा। डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जायेगी। कुम्भ मेले के अवसर पर अवसर पर विभिन्न आयोजन किये जायेंगे। इसके अलावा सम्मेलन, गोष्ठियां, प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं आयोजित की जायेंगी। संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत भाष में विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं संस्कृत नाटच प्रशिक्षण भी दिये गये।

इस अवसर पर सचिव विनोद रतूड़ी, संस्कृत अकादमी उत्तराखण्ड के उपाध्यक्ष प्रेमचन्द शास्त्री, सदस्य प्रो. देवी प्रसाद शास्त्री, प्रो. पी.एन. शास्त्री, प्रो. वेदप्रकाश शास्त्री, प्रो. राधेश्याम चतुर्वेदी, डॉ. ओमप्रकाश भट्ट, प्रो. सुनील कुमार जोशी, भागीरथ शर्मा, सुभाष चन्द्र जोशी, सचिव डॉ. आनन्द भारद्वाज एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

प्रेमचंद अग्रवाल मुख्यमंत्री के साथ करेंगे विधानसभा का स्थलीय निरीक्षण

देहरादून। 23 से 25 सितंबर तक मानसून सत्र आहूत किया जाना है, लेकिन कोरोना के बढ़ते प्रकोप से कैसे बचा जाए इसको लेकर सत्र की रूपरेखा तैयार करने पर विचार किया जा रहा है। विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल बुधवार को मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। इसके बाद सत्र की रुपरेखा तैयार की जाएगी।

इस संबंध में विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया विधानसभा में बने सदन में वर्तमान में मौजूदा विधायकों के अनुसार ही बैठने की व्यवस्था है, लेकिन कोविड के प्रोटोकॉल के अनुसार सोशल डिस्टेंसिंग के साथ बैठने में जगह कम पड़ सकती है। इस संबंध में सदन के आस पास की दर्शक दीर्घा और पत्रकार दीर्घा को भी सदन में शामिल करने के साथ ही 60 वर्ष से अधिक उम्र के विधायको को सत्र में न बुलाने व वर्चुअल माध्यम से भी जुड़ने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन अभी सत्र की रूपरेखा तय नही हो पाई है। वहीं, इस बारे में अध्यक्ष ने कहा कल मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा। उसके बाद सत्र की रुपरेखा तैयार की जाएगी।

हिमालय के पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सब की जिम्मेदारी है

संदेश

■ हिमालय के सुरक्षित रहने पर ही नदियां भी रहेंगी सुरक्षित

राज्य सरकार हिमालय के पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सदैव दृढ़ संकल्पित रही

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हिमालय के पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सदैव दृढ़ संकल्पित रही है, इस संबंध में समय–समय पर किए गये अध्ययनों आदि पर तत्परता से कार्य योजना के निर्माण के प्रति ध्यान दिया गया है। प्रतिवर्ष हिमालय दिवस का आयोजन किया जाना इस विषय पर गंभीरता के साथ चिंतन करने के प्रयासों को प्रकट करता है।

देहरादून। **संवाददाता**

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने हिमालय दिवस के अवसर पर जारी अपने संदेश में कहा कि हिमालय न केवल भारत बल्कि विश्व की बहुत बड़ी आबादी को प्रभावित करता है। यह हमारा भविष्य एवं विरासत दोनों है, हिमालय के सुरक्षित रहने पर ही इससे निकलने वाली सदानीरा नदियां भी सुरक्षित रह पायेंगी, हिमालय की इन पावन नदियों का जल एवं जलवायु पूरे देश को एक सूत्र में पिरोता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय हमारे जीवन के सरोकारों से गहनता से जुड़ा हुआ है, अतः हिमालय के संरक्षण की पहली जिम्मेदारी भी हमारी है। हिमालय के संरक्षण के लिए इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नदियों एवं वनों का भी संरक्षण आवश्यक है, इसीलिए जल संरक्षण, संवर्धन तथा व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। यही नहीं हिमालय संरक्षण के लिए हमने राष्ट्रीय स्तर पर मुहिम भी चलाई, विगत में मसूरी में आयोजित हिमालय कॉन्क्लेव इसका प्रमाण है, इसमें लगभग सभी हिमालयी राज्यों द्वारा हिमालय के पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति मसूरी संकल्प पारित कर हिमालय को बचाने का संकल्प भी लिया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमालय कि समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने, प्रकृति प्रदत्त जैव विविधता, ग्लेशियर, नदियों, झीलों के संरक्षण की दिशा में प्रभावी पहल की आवश्यकता है। हमें हिमालय को उसके व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखना होगा, राज्य सरकार द्वारा अपने स्तर पर इस दिशा में विभिन्न कार्य योजनाओं के माध्यम से कई स्तरों पर विचार गोष्ठियों एवं जन जागरूकता जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारे स्वभाव में है, हरेला जैसे पर्व प्रकृति से जुड़ने की हमारे पूर्वजों की दूरगामी सोच को दर्शाती है। वनों को बचाने के लिए चिपको आंदोलन भी प्रकृति की प्रेरणा से संचालित हुआ है।

प्राचार्य के माध्यम से उच्च शिक्षा राज्य मंत्री को भेजा ज्ञापन

संवाददाता डोईवाला। एनएसयूआई डोईवाला ने शहीद दुर्गमल्ल राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत को ज्ञापन देकर विश्वविद्यालयों ने 14 सितंबर 2020 से परीक्षा आयोजन होनी है का फरमान जारी किया गया है और कोरोना काल में परीक्षाओं को निरस्त करने की मांग की गई है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सावन राठौर का कहना है इस वक्त न सिर्फ देश बल्कि हमारे प्रदेश में भी कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ रही,अभी हालात बिल्कुल सामान्य नही,परन्तु विश्वविद्यालयो द्वारा इस संकट के दौर में भी परीक्षा आयोजन करवाया जा रहा। एनएसयूआई सभी छात्र–छात्राओं के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए अनुरोध किया है कि इस संकट के दौर में परीक्षा आयोजन का फैसला निरस्त किया जाये और सभी छात्र–छात्राओं को प्रमोट किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०-
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।